राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

भू–जल विभाग, जोधपुर

निष्पादन आय–व्ययक

2014–2015

राजकीय मुद्रणालय, जोधपुर

आमुख

भू–जल विभाग का वर्ष 2014–15 का निष्पादन आय व्ययक प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें विभाग के आय–व्ययक विवरणों के साथ ही भू–जल विभाग की प्रमुख गतिविधियों का समावेश किया गया है।

भू–जल विभाग, सम्पूर्ण राजस्थान में नलकूपों का निर्माण, खुले कुओं की बोरिंग तथा ब्लास्टिंग द्वारा गहरा करने और भू–जल सर्वेक्षण कर भूमिगत जल भण्डारों की खोज कर रहा है। इस विभाग के सतत् प्रयत्नों का स्वच्छ पेयजल की उपलब्धि तथा सिंचाई के लिये पर्याप्त जल व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जुलाई 2014

प्रमुख शासन सचिव
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी
एवं भू–जल विभाग
राजस्थान, जयपुर।

विषय सूची

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का विवरण 1–2

विभागीय संगठन 2–3

कार्य–कलाप 3

वित्तीय विवरण 4

वित्तीय आवश्यकताओं का विषयवार वर्गीकरण 5–6

वित्तीय व्यवस्था के स्त्रोत (2014–2015) 7

वित्तीय आवश्यकताओं का स्पष्टीकरण

(1) बजट मद भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान 7–8

(2) बजट मद 01 निर्देशन एवं प्रशासन 8

(3) बजट मद 02 कुओं और तालाबों का निर्माण तथा उन्हें गहरा करना, कार्यकारी मद 9–11

(4) राजस्व प्राप्तियाँ 12

(5) की वैल मानिटरिंग का कार्य 12

(6) जल मौसम विज्ञान 12

(7) यूरोपियन कमीशन स्टेट पार्टनरशिप कार्यक्रम 12–13

(8) भू–जल संसाधनों का आंकलन 13

राजस्थान सरकार

भू–जल विभाग, जोधपुर

निष्पादन आय–व्ययक 2014–2015

प्रस्तावना :

मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में जल का प्रमुख स्थान है। राजस्थान प्रदेश में वर्षा की नितान्त अनिश्चितता और जलाशयों में सीमित मात्रा में जल उपलब्धता के कारण प्रदेश में जल माँग की आपूर्ति मुख्यतः भू–जल संसाधन पर आश्रित है। जनसंख्या में वृद्धि और सिंचित क्षेत्रों के बढ़ने के कारण भू–जल के उपयोग में निरन्तर वृद्धि हुई है। इस परिपेक्ष्य में भू–जल विभाग का भूमिगत जल संसाधनों की भण्डारण एवं जलदेय क्षमता अक्षुण बनाये रखने का दायित्व है। विभाग के सतत और सफल प्रयासों से रेगिस्तानी जिलों में जल की उपलब्धता बढ़ी है तथा पहाडी जिलों में जल स्तर में परिवर्तन को भी सीमित रखने में सफलता मिली है।

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का विवरण :–

राज्य सरकार की नीति के अनुसरण में विभाग मुख्य रूप से निम्न योजनाओं को क्रियान्वित करता है –

1. विस्फोटन (ब्लास्टिंग) द्वारा कुऐं गहरे करना।
2. जनजाति कृषकों के लिये निम्न योजनाओं के अन्तर्गत कुओं को गहरा करना–
   (क) जनजाति उपयोजना क्षेत्र विकास योजना।
   (ख) परिवर्तित क्षेत्र विकास योजना।
3. बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के कृषकों के कुओं का विस्फोटन द्वारा गहरा करना।
4. साधारण क्षेत्र में स्थित कुओं में बोरिंग व नलकूपों का निर्माण –
   (क) जलदाय विभाग तथा अन्य विभाग के लिये नलकूपों का निर्माण।
   (ख) अन्य योजनाओं के अन्तर्गत तथा जनसाधारण की आवश्यकता पूर्ति हेतु नलकूपों का निर्माण।
5. सर्वेक्षण एवं अनुसंधान कार्य –
   सर्वेक्षण एवं अनुसंधान के अन्तर्गत विभाग वर्ष 2014–2015 में निम्न कार्य सम्पादित करेगा –

1) की–वैल मोनिटरिंग
2) जल नमूनों का सर्वेक्षण
3) भू भौतिक सर्वेक्षण एवं भू–जल खोज

6. केन्द्रीय कार्यशाला।

विभागीय संगठन :

विभाग का संचालन मुख्य अभियन्ता की देखरेख में होता है। उनके अधीन अभियांत्रिक वृत तथा सर्वेक्षण एवं अनुसंधान वृत कार्यरत हैं। जो क्रमशः तीन अधीक्षण अभियन्ताओं व चार अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिकों की देख–रेख में कार्य करते हैं। अधीक्षण अभियन्ताओं के मुख्यालय जोधपुर, जयपुर व उदयपुर में स्थित हैं।

इसके अतिरिक्त एक अधीक्षण अभियन्ता (के. भण्डार), एक अधीक्षण अभियन्ता (मुख्यालय) तथा एक अधीक्षण अभियन्ता एवं तकनीकी सहायक (प्रथम) तथा एक वरिष्ठ भू–जल वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहायक (द्वितीय) के रूप में कार्यरत हैं। मुख्यालय पर लेखा सम्बन्धी कार्य में परामर्श एवं सहयोग हेतु वित्तीय सलाहकार का पद स्वीकृत है।

क्र.सं. कार्य का विवरण	जिले एवं कार्यक्षेत्र
(1) अभियांत्रिकी शाखा (क) अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर 1. पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न संस्थानों के लिये नलकूपों का निर्माण व साधारण कुओं में बोरिंग। 2. ब्लास्टिंग इकाईयों द्वारा साधारण कुओं को गहरा करना।	जोधपुर, जैसलमेर, सिरोही, पाली, बाड़मेर, नागौर एवं जालौर। —उपरोक्तानुसार—
(ख) अधीक्षण अभियन्ता, जयपुर 1. पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न संस्थानों के लिये नलकूपों का निर्माण व साधारण कुओं में बोरिंग। 2. ब्लास्टिंग इकाईयों द्वारा साधारण कुओं को गहरा करना।	जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुंझुनू, भरतपुर, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, टोंक, बीकानेर, चुरु, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ व करौली। —उपरोक्तानुसार—

क्र.सं. कार्य का विवरण	जिले एवं कार्यक्षेत्र
(ग) अधीक्षण अभियन्ता, उदयपुर 1. पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न संस्थानों के लिये नलकूपों का निर्माण व साधारण कुओं में बोरिंग। 2. ब्लास्टिंग इकाईयों द्वारा साधारण कुओं को गहरा करना।	उदयपुर, डूंगरपुर, बाँसवाडा, बारां, चितौड़गढ, अजमेर, भीलवाडा, कोटा, बून्दी, झालावाड, राजसमंद, प्रतापगढ —उपरोक्तानुसार—
(2) सर्वेक्षण एवं अनुसंधान शाखा :– (क) अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिक, जोधपुर	जोधपुर, जैसलमेर, सिरोही, पाली, बाड़मेर, नागौर एवं जालौर।
(ख) अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिक, उदयपुर	उदयपुर, अजमेर, भीलवाडा, बूंदी, चितौड़गढ डूंगरपुर, बांसवाडा, राजसमन्द, प्रतापगढ।
(ग) अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिक, जयपुर	जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुंझुनू, भरतपुर, धौलपुर, कोटा, झालावाड, बारां, सवाईमाधोपुर, टोंक, करौली।
(घ) अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिक, बीकानेर	बीकानेर, चुरु, श्री गंगानगर, हनुमानगढ

कार्यकलाप (आयोजना भिन्न) :

आयोजना भिन्न के तहत वर्ष 2014–15 में रूपये 5909.96 लाख का प्रावधान रखा गया है। जिसके तहत विभाग के नियमित कार्यक्रम नलकूप निर्माण, कुओं में वेधन व विस्फोटन का कार्य तथा भू–जल सर्वेक्षण एवं अनुसंधान सम्बन्धी कार्य किये जायेंगे।

कार्यकलाप (राज्य योजना) :

विभाग की वर्ष 2014–15 की वार्षिक योजना रूपये 150.80 लाख की निर्धारित की गई है। इसके अन्तर्गत कार्यलय भवन जोधपुर, जयपुर तथा गेस्ट हाऊस, जोधपुर आदि के नवीनीकरण एवं रखरखाव के कार्य करवाया जाना है।

वित्तीय विवरण

(रूपये लाखों में)

क्र. सं.	कार्यकलाप	वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2012-2013			वास्तविक आय लेखा वर्ष 2013-2014			आय व्ययक वर्ष 2014-2015		
		आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
1	2702-लघु सिंचाई 02-भू-जल, 005-अन्वेक्षण (01) भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान	1236.80	–		1264.89		–	1320.44	–	–
	800-अन्य व्यय (01) कूप द्वारा भू-जलकृत्रिम पुनर्भरण 28 विविध व्यय	–	–	3.65	–	–	–	–	–	0.00
	03-रखरखाव, 103 नलकूप (ट्यूबवैल) 01 कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना।	492.60 0.08 (प्रभृत)		–	572.31 2.05 (प्रभृत)		–	639.58 3.63 (प्रभृत)	0.02	–
	(01) निर्देशन एवं प्रशासन।	3767.44	–	–	4171.07		–	3949.94	–	–
	(02) कार्यकारी									
2	4702-लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 102-भू-जल (01) भू-जल विभाग द्वारा संचालित कार्य (आयोजना) (01) मशीनरी आदि का क्रय (02) भवन निर्माण		– 13.05	– –	– –	– 5.77	– –	– –	0.01 130.77	– – –
3	4702-लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 796 जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (07) लघु सिंचाई निर्माण कार्य (01) भू-जल विभाग के माध्यम से 17- वृहद निर्माण कार्य	– –	– –	– –	– –	– –	– –	– –	– 20.00	– –
योग	(1) दतमत	5496.12	13.05	3.65	6088.27	5.77	–	5909.96	150.80	0.00
	(2) प्रभूत	0.08	–	–	2.05	–	–	3.63	–	–

विषयवार वर्गीकरण

(राशि रु. लाखों में)

कोड संख्या	लेखा शीर्षक	वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2012-13		
		आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
1	2	3	4	5
A	NON PLAN			
01	संवेतन	3264.79		
02	मजदूरी	0.51		
03	यात्रा व्यय	76.56		
04	चिकित्सा व्यय	47.52		
05	कार्यालय व्यय	62.47		
06	नवीन वाहनों का क्रय	0.00		
07	कार्यालय वाहनों का संचा. एवं संधा.	2.87		
08	वृतिक एवं विशिष्ट सेवाऐं	0.77		
09	किराया रेट और कर / रॉयल्टी	12.43		
13	छात्रवृति एवं वजीफा	0.98		
16	लघु निर्माण कार्य	0.06		
20	कार्यकलाप संबंधी वाहनों का संधा.	20.79		
21	अनुरक्षण एवं मरम्मतें	974.81		
22	सामग्री एवं प्रदाय	951.38		
28	विविध व्यय	74.81		
29	प्रशिक्षण	0.00		
32	डिक्री सम्बन्धी व्यय प्रभृत	0.08		
36	वाहन किराया	0.00		
37	वर्दियां तथा अन्य सुविधाएं	6.09		
43	कर्मचारी एवं श्रमिक कल्याण व्यय	0.00		
62	कम्प्युटराईजेशन एवं तत्सम्बन्धी संचार व्यय	0.00		
B	PLAN			
01	18-मशीनरी और साज सामान / औजार एवं संयंत्र		0.00	
02	भवन निर्माण कार्य 17-वृहद्ध निर्माण कार्य		13.05	
	796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना		0.00	
	800-अन्य व्यय, 01 कूप द्वारा भू-जल कृत्रिम पुनर्भरण, 28-विविध व्यय CSS			3.65
		5496.92	13.05	3.65

विषयवार वर्गीकरण

(राशि रु. लाखों में)

वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2013-14			आय व्यय अनुमान वर्ष 2014-15		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
6	7	8	9	10	11
3490.25			3785.00		
0.83			0.58		
106.58			66.50		
30.06			23.00		
49.31			41.00	0.01	
0.00			0.01		
3.48			3.50		
0.79			1.00		
12.57			13.69		
0.68			1.00		
0.00			0.00		
24.83			23.00		
1100.99			988.00		
1102.19			951.50		
74.89			0.01		
0.00			0.01		
2.05			3.63		
0.00			0.01		
8.83			9.15		
0.99			1.00		
1.00			2.00	0.01	
	0.00			0.01	
	5.77			130.77	
	0.00			20.00	
		0.00			0.00
6010.32	5.77	0.00	5913.59	150.80	0.00

वित्तीय व्यवस्था के स्त्रोत वर्ष 2014–15 (राशि रु. लाखों में)

क्र. सं.	मद	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
1	2702–लघु सिंचाई 02–भू–जल 005–अन्वेक्षण (01) भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान 800–अन्य व्यय (01) कूप द्वारा भू–जलकृत्रिम पुनर्भरण 28 विविध व्यय	1320.44	—	0.00
2	03–रखरखाव 103 नलकूप (ट्यूबवैल) 01 कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना। (01) निर्देशन एवं प्रशासन (02) कार्यकारी	3.63 प्रभृत 639.58 3949.94	 0.01 —	 — —
3	4702–लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 102–भू–जल (01) भू–जल विभाग द्वारा संचालित कार्य (01) मशीनरी आदि का क्रय (02) भवन निर्माण		0.01 130.78	— —
4	4702–लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 796 जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (07) लघु सिंचाई निर्माण कार्य (01) भू–जल विभाग के माध्यम से 17– वृहद निर्माण कार्य	— —	— 20.00	
	योग	5909.96 3.63 प्रभृत	150.80	0.00

वित्तीय आवश्यकताओं का स्पष्टीकरण :–

A. 2702 लघु सिंचाई 02–भूजल 005–अन्वेषण

(1) भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान : रूपये लाखों में

वास्तविक व्यय लेखा 2013–2014			बजट अनुमान वर्ष 2014–2015		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो
1264.89	—	—	1320.44	—	—

योजनाएं तथा उपलब्धियां :

राज्य के भूमिगत जल का वैज्ञानिक आधार पर सर्वेक्षण एवं अनुसंधान करना, पानी की रासायनिक जाँच करना, मौजूदा जल स्त्रोतों की वृद्धि की सम्भावनाओं का पता लगाना जैसे कार्यकलाप इस योजना में सम्मिलित हैं। विभाग द्वारा राज्य के समस्त 33 जिलों में उपरोक्त कार्यकलापों के तहत मॉनिटरिंग का कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2013–14 में उपलब्धियाँ निम्नानुसार रही –

क्र.सं. किये गये कार्यों का विवरण	की–वैल मॉनिटरिंग (आयोजना भिन्न)
1. कुओं का सर्वेक्षण	18385
2. जल के नमूनों का एकत्रीकरण विश्लेषण	13335
3. जल रासायनिक परीक्षण	10262
4. जियोफिजिकल साउण्डिंग	903

स्वीकृत स्टाफ का विवरण

सर्वेक्षण एवं अनुसंधान मद में आयोजना भिन्न में कुल स्टाफ 380 पद स्वीकृत हैं।

B-2702 लघु सिंचाई 103–नलकूप 03–रखरखाव

(01) कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना –

(01) निर्देशन एवं प्रशासन

राशि रूपये लाखों में

वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2013–2014			बजट अनुमान वर्ष 2014–2015		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो
574.36	--	--	643.21	0.02	--

इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण विभाग के निर्देशन एवं प्रशासन सम्बन्धी व्यय होता है। मुख्य अभियन्ता कार्यालय तथा चार अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर जयपुर उदयपुर केन्द्रीय भण्डार के कार्यालयों का व्यय इस मद में किया जाता है। सर्वेक्षण एवं अनुसंधान का भी मार्गदर्शन तथा प्रशासन मुख्य अभियन्ता द्वारा होता है।

वर्ष 2014–2015 के लिए निर्देशन एवं प्रशासन मद में आयोजना भिन्न में कुल 162 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पद स्वीकृत हैं।

C-2702 लघु सिंचाई 103–नलकूप 03–रखरखाव

(01) कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना –

(02) कार्यकारी

राशि रूपये लाखों में

वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2013–2014			बजट अनुमान वर्ष 2014–2015		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो
4171.07	--	--	3949.94	--	--

स्वीकृत स्टाफ का विवरण :–

आयोजना भिन्न में कार्यकारी उपमद में कुल 858 पद स्वीकृत हैं। कार्यकलापों की उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुये विभाग को वित्त विभाग के आदेश संख्या प (4) वित्त/साविलेनि/87 दिनांक 11.12.87 द्वारा वाणिज्यिक विभाग की सूची से विलोपित (DELETE) किया गया है। कार्यों के सम्पादन हेतु वर्ष 2014–2015 में विभाग के पास निम्न इकाईयां कार्यरत हैं :–

1.	विस्फोटन इकाईयां	30
2.	रोटरी रिग्स इकाईयां	25
3.	डी.टी.एच. रिग्स इकाईयां	12
4.	पम्प इकाईयां	7

विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ 11 (89) भूजल वि/91 दिनांक 29.12.94 के द्वारा दिनांक 17.8.94 से दरें निम्न प्रकार निर्धारित की गई हैं।

1.	रोटरी रिग ड्रिलिंग	1238/– प्रतिमीटर
2.	परक्यूशन रिग ड्रिलिंग 12" X 10"	2115/– प्रतिमीटर
3.	डी.टी.एच. 250 एम.एम. डाया ड्रिलिंग	1076/– प्रतिमीटर
4.	डी.टी.एच. 200 एम.एम. डाया 8" बोर	676/– प्रतिमीटर
5.	डी.टी.एच. 150 एम.एम. से 162 एम.एम. डाया ड्रिलिंग 6" बोर	530/– प्रतिमीटर
6.	डी.टी.एच. 100 एम.एम. से 112 एम.एम. डाया ड्रिलिंग 4" बोर	400/– प्रतिमीटर
7.	डवलपमेंट चार्जेज	295/– प्रतिमीटर
8.	एसेम्बली चार्जेज 10" X 8"	1112/– प्रतिमीटर
	10" X 6"	980/– प्रतिमीटर
	8" X 8"	980/– प्रतिमीटर
	8" X 6"	838/– प्रतिमीटर
	6" X 6"	728/– प्रतिमीटर
	4" X 4"	274/– प्रतिमीटर
9.	एसेम्बली लोवरिंग व ग्रेवल पैकिंग	295/– प्रतिमीटर
10.	पम्प टेस्टिंग चार्जेज	15230/– प्रति ट्यूबवैल
11.	स्टेम टेस्टिंग चार्जेज 13095/– प्लस	394/– प्रतिमीटर
12.	ऑपरेशन ऑफ जेनरेटिंग सेट 60के.वी.	287/– प्रतिमीटर
13.	लोंगर टेस्टिंग चार्जेज 30640/– प्लस	394/– प्रतिमीटर

14. ऑपरेशन ऑफ वेल्डिंग सेट एक्सक्लूडिंग ट्रांसपोर्ट एवं एस्टेब्लिशमेन्ट सुपरविजन प्रति घण्टा — 67.50/– प्रति घण्टा

15. ऑपरेशन कॉस्ट ऑफ कम्प्रेशर एक्सक्लूडिंग ट्रांसपोर्टेशन एवं एस्टेब्लिशमेन्ट सुपरविजन प्रति घण्टा

(1) हैवी ड्यूटी कम्प्रेशर	324/– प्रति घण्टा
(2) कम्प्रेशर (250 C.F.M. से 350 C.F.M.)	159/– प्रति घण्टा
(3) कम्प्रेशर (170 C.F.M. से 250 C.F.M.)	132/– प्रति घण्टा

16. ट्रांसपोर्टेशन चार्जेज — 13/– प्रति घण्टा

17. विस्फोटन की दरें — 45/– प्रति होल (न्यूनतम चार्जेज 540/–)

उपशासन सचिव–II, भू–जल विभाग, राजस्थान,जयपुर के आदेश क्रमांक एफ.11(89) GWD/91 जयपुर दिनांक 22.12.2007 द्वारा पाईप एसेम्बली की दरें निम्नानुसार संशोधित कर दिनांक 01.04.2007 से प्रभावी की गई हैं :–

1. पाईप एसेम्बली चार्जेज	10" X 10"	1842/– प्रतिमीटर
	10" X 8"	1465/– प्रतिमीटर
	10" X 6"	1288/– प्रतिमीटर
	8" X 8"	1050/– प्रतिमीटर
	4" X 4"	514/– प्रतिमीटर

<u>विस्फोटन द्वारा कुएं गहरे करने का कार्य :–</u>

राज्य के पहाडी एवं पठारी क्षेत्रों में पेयजल एवं सिंचाई व्यवस्था कुओं पर आश्रित है, परन्तु भूमि के अन्दर कठोर पत्थर होने के कारण परम्परागत साधनों से वांछित गहराई तक कुएं नहीं खोदे जा सकते हैं। इस कारण कुओं में पानी की प्राप्तियां नगण्य रहती हैं, विभाग ऐसे कुओं को विस्फोटन इकाईयों द्वारा गहरा कर उनकी जल क्षमता को बढ़ाता है। इस प्रकार के अधिकांश कुएं छोटे किसानों के हैं। इनमें जल मात्रा बढ़ने से उनको राहत मिलती है।

वर्ष 2012–2013 एवं 2013–2014 में वास्तविक कार्य और वर्ष 2014–2015 के लक्ष्यों की स्थिति निम्नानुसार है –

विस्फोटकीय इकाईयां	लक्ष्य प्रति यूनिट (लाखों में)	वास्तविक उपलब्धि 2012–13 (रु. लाखों में)	वास्तविक उपलब्धि 2013–14 (रु. लाखों में)	अनुमान 2014–15 (रु. लाखों में)	कुओं की संख्या 2012–13	कुओं की संख्या 2013–14
1	2	3	4	5	6	7
30	4.32	36.54	31.15	129.60	339	258

कुओं में वेधन व नलकूपों का निर्माण :–

अर्द्ध पर्वतीय चट्टानी क्षेत्र में स्थित कुओं में पानी की उपलब्धि बढ़ाने के लिये परफ्यूशन रिगो द्वारा वेधन किया जाता है। नलकूप भूमि की सतह से ही बनाये जाते है। नलकूप का निर्माण नरम मिट्टी वाले अर्द्ध पर्वतीय चट्टानी इलाकों में रोटरी रिग या परक्यूशन रिग से किया जाता है, जबकि पर्वतीय एवं आग्नेयक चट्टानों वाले क्षेत्र में वायुदाब से चलने वाली डी.टी.एच. रिग काम में ली जाती है। जलदाय विभाग, अन्य सरकारी विभागों, उद्योगों एवं काश्तकारों के लिए विभाग द्वारा नलकूप बनाये जा रहे हैं व कुओं में बोरिंग किया जा रहा है। वर्ष 2012–2013 एवं 2013–2014 में माह 03/2014 तक के लक्ष्य/उपलब्धियां तथा वर्ष 2014–2015 के लक्ष्य निम्नानुसार हैं :–

क्र. सं.	मशीन का विवरण	लक्ष्य प्रति मशीन (मीटर में)	मशीनों की संख्या	उपलब्धियाँ 2012–13 (मीटर में)	लक्ष्य 2013–14 माह 03/14 तक	उपलब्धियाँ 2013–14 माह 03/14 तक	लक्ष्य 2014–15
1	2	3	4	5	6	7	8
1	रोटरी	1500	25	28446	36875	26859	36000
2	हैवी ड्यूटी कोम्बीनेशन/ डी.टी.एच.	6000	4	25361	24000	19758	24000
3	डी.टी.एच. 4"	2400	3	9218	7200	12412	7200
4	डी.टी.एच. 6"	4800	5	44081	24000	42189	24000

वर्ष 2013–2014 में माह 03/2014 तक 979 नलकूपों का निर्माण वेधन कार्य से किया गया है, जिसकी स्थिति निम्नानुसार है।

क्र.सं.	विवरण	नलकूप	डी.सी.बी.	हैण्डपम्प	पीजोमीटर	कुल
1	जलदाय विभाग	220	–	507	–	727
2	सर्वे एवं अनुसंधान	–	–	–	233	233
3	अन्य सरकारी एजेन्सी हेतु	19	–	–	–	19
4	प्राईवेट	0	–	–	–	0
	योग	239	–	507	233	979

राजस्व प्राप्तियाँ :–

इकाईयों द्वारा किये जा सकने वाले वास्तविक कार्य को ध्यान में रखकर इन कार्यों से होने वाले राजस्व का अनुमान किया जाता है।

वर्ष 2012–2013 में राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य रु. 2000.00 लाख के विरूद्ध कुल वास्तिविक प्राप्तियाँ रु. 1378.58 लाख तथा वित्तीय वर्ष 2013–2014 के लिये राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य रु. 1800.00 लाख के विरूद्ध 840.00 लाख का राजस्व अर्जित किया गया। वर्ष 2014–2015 के लिये राजस्व प्राप्तियों का लक्ष्य रु. 1850.00 लाख निर्धारित किया गया है।

गैर योजना के अन्तर्गत "की–वैल" मोनिटरिंग का कार्य –

गैर योजना मद में भू–जल स्त्रोत व्यवस्थापन हेतु की–वैल जल स्तर मापने का कार्य गंगानगर, चुरू, हनुमानगढ, बीकानेर, बूंदी, टोंक, सवाईमाधोपुर, जयपुर, अलवर, दौसा, करौली, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाडा, राजसमन्द, भीलवाडा, नागौर, जालौर, सिरोही, झुझुंनू, कोटा, बारां, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड, सीकर, कोटा (चम्बल कमाण्ड), जोधपुर, अजमेर व चितौड़ जिलों में किया जा रहा है। इन जिलों में 18385 कुओं की जाँच की गई, 13335 जल नमूनों का एकत्रीकरण किया गया तथा 10262 जल नमूनों का रासायनिक विश्लेषण किया गया। इसेक अतिरिक्त 903 भू–भौतिकीय ध्वनियां ली गई।

जल मौसम विज्ञान –

जल मौसम विज्ञान के अन्तर्गत राज्य के सभी जिलों के वर्षा के आंकड़ों का संकलन कर भू–जल विकास हेतु विश्लेषण किया गया है। सभी जिलों में दैनिक वर्षा का कम्प्यूटर द्वारा जल बजट, मौसम सम्बन्धित अध्याय लिखना एवं अन्य मौसम सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रतिवेदन तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के सभी जिलों के गत 15 वर्षों का वर्षा के ट्रेण्ड का भी पता लगाया गया।

यूरापीयन कमिशन स्टेट पार्टनरशिप कार्यक्रम –

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु राशि 259.36 लाख (राशि रुपये दो सौ उनसाठ लाख छत्तीस हजार) का बजट उपयोग में लिया गया है। वित्तीय वर्ष 2014–15 हेतु राशि 2485.90 लाख का बजट प्रावधान रखा गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के जल संसाधनों का विभिन्न गतिविधियों द्वारा दीर्घकालीन प्रबन्धन जन सहभागिता द्वारा सुनिश्चित करना है। इस योजना के अन्तर्गत 31.03.2014 तक कुल 233 पीजोमीटर का निर्माण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त इस योजना के अन्तर्गत निम्न गतिविधियां संचालित की गयी हैं –

1. राज्य के भू–जल संसाधनों हेतु ग्रामवार एक्यूफर मैपिंग तथा भू–जल मोनिटरिंग सिस्टम की बैंच मार्किंग की फाईनल रिपोर्ट कन्सल्टेंट द्वारा प्रस्तुत की जा चुकी है।

2. विभाग की रसायन प्रयोगशालाओं के नवीनीकरण के अन्तर्गत उपकरणों की खरीद की जा चुकी है तथा सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

3. राज्य के जिला मुख्यालयों पर 33 डिजीटल वाटर लेवल रिकॉर्डर भू–जल मोनिटरिंग हेतु पीजोमीटर पर लगाये जा चुके हैं। जिनकी मासिक वाटर लेवल मोनिटरिंग की जा रही है।

4. भू–जल विभाग की वेब–साइट राज्य डेटा सेन्टर द्वारा वर्ष 2013–14 में लांच की गई है।

5. जियो इन्फो लैबों का सिविल निर्माण जयपुर व जोधपुर में पूर्ण कर लिया गया है तथा इस हेतु हार्डवेयर का क्रय कर लिया गया है।

6. वर्ष 2013–14 में विभागीय अधिकारियों हेतु NIH रुड़की में एप्लीकेशन ऑफ जी आई एस फार ग्राऊण्ड वाटर मेनेजमेंट एण्ड माडलिंग पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

7. राज्य के बीकानेर, जोधपुर व उदयपुर वृतों में भू–जल सर्वेक्षण का कार्य कन्सल्टिंग फर्मों द्वारा किया जा रहा है।

8. कोटा जिले के रामगंज मंडी व आस–पास के क्षेत्र में अकार्यशील लाईम स्टोन माईन्स के द्वारा कृत्रिम भू–जल पुर्नभरण एवं एक्वीफर प्रबंधन की परियोजना का कार्य कन्सल्टिंग फर्म के माध्यम से प्रारम्भ किया गया है।

9. राष्ट्रीय राजमार्ग–12 पर टोंक व जयपुर के मध्य स्टार्म वाटर से रिचार्ज की पायलट स्टडी का प्रोजेक्ट कन्सल्टिंग फर्म के माध्यम से प्रारम्भ किया गया है।

भू–जल संसाधनों का आंकलन –

विभाग द्वारा राज्य के भू–जल संसाधनों का आंकलन भारत सरकार की ग्राऊण्उ वाटर एस्टीमेशन कमेटी (जी.ई.सी.) द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के अनुसार किया जाता है। जिसके अनुसार प्रति तीन वर्ष में जिलेवार भू–जल आंकलन किया जाता है। राज्य का नवीनतम ड्राफ्ट भू–जल आंकलन 31.03.2011 की स्थिति के आधार पर किया गया है। वर्तमान में राज्य का भू–जल आंकलन का कार्य 30.03.2013 की स्थिति के आधार पर किया जा रहा है।